H.W
2/10/20

Home Assignment

कर्ण का मित्र - प्रेम

1. सच्चा मित्र में कया गुण होने चाहिए ? उदाहरण सहित उत्तर 80-100 शब्दों लिखिए।

उ- सच्चा मित्र के गुण होते हैं :-

- एक सच्चा मित्र सुख-दुख में साथ देता है।
- जो हमारे हर काम में मदद करता है।
- हमें हर बार आगे बढ़ने की हौसला देता है।

रावण अनाय था। उसने सीता का हरण किया था। इसलिए विभिषण अपने भाई को समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन अनाय का साथ छोड़ दे और सीता जी को राम जी के पास लौटा दे। लेकिन रावण की बुधी भ्रष्ट हो गई थी। उसने अपने भाई की बात एक न सुनी। तो विभिषण ने लाचार हो कर राम जी के पास चले गए और उनसे मित्रता की। क्योंकि राम जी सत्य और न्याय के राह पर थे। विभिषण ने अपने भाई को साथ छोड़कर सत्य का साथ दिया। लड़ाई में रावण मारा गया। अन्याय की हार हुई और न्याय की जीत हुई। इस तरह

विभिषण ने मित्रता निभाई।

2. कर्ण का मित्र प्रेम पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

उ- कर्ण का मित्र प्रेम - इस कविता को रामधारी सिंह (दिनकर) जी ने लिखा है। किसी के द्वारा किया गया उपकार मानना तथा उसके लिए सर्वस्व छोड़ देना ही सच्चे लोगों का लक्षण होता है। ऐसे लोगों के लिए सांसारिक सुख तथा पद-प्रतिष्ठा भी अपने कर्तव्य से बढ़कर नहीं होती। मित्र वही जो एक मित्र की मदद करे। मित्रता सबसे श्रेष्ठ है। इस कविता में कृष्ण और कर्ण के बीच में हुई संवाद को बताया गया है। जब कृष्ण ने कर्ण से कहा की वह पांडवों के भाई है और न्याय के रास्ते में वह न्याय के राह में चल रहे हैं। इसलिए उन्हें पांडवों के साथ चलना चाहिए। यह सुनकर कर्ण ने कहा जब उनका जन्म हुआ उनकी माँ उन्हें त्याग कर दिया था। जब बड़े हुए तो सूतपुत्र कहकर उन्हें कोई सम्मान नहीं मिला। उसी समय दुर्योधन ने उन्हें संभाला, मित्रता का

Date
Page

हाथ बढ़ाया। इसीलिए कर्ण का रोम-रोम दुर्योधन का ऋणी था। कर्ण दुर्योधन का तन, मन धन और जीवन दुर्योधन का ही है। इसीलिए वह दुर्योधन को धोका नहीं दे सकते। चाहे उन्हें स्वर्ग भी मिले वह मित्रता ही चुनेंगे। कोई मुसीबत अगर दुर्योधन की तरफ बढ़े तो कर्ण उसका पहले सामना करेंगे। अपने मित्र को बचाने के लिए कुर्बान कर देंगे। यही उसी वजह से कर्ण दुर्योधन का साथ कभी नहीं छोड़ सकते।
मित्रता उनके लिए अनमोल है। जिसकी तुलना और किसी से की नहीं सकती। स्वर्ग, धरती भी मित्रता के बदले मिले तो कर्ण दुर्योधन के चरणों में उसे ~~अर्पित~~ अर्पित कर देंगे।

Q. कर्ण स्वर्ग का सुख किसलिए और क्यों त्याग दिया ?

उ- कर्ण के लिए मित्रता सबसे अनमोल है। इसकी तुलना वह धन से नहीं कर सकते। कर्ण स्वर्ग का सुख दुर्योधन की मित्रता के लिए छोड़ सकते हैं और त्याग कर सकते हैं। क्योंकि दुर्योधन ने ही उन्हें अंग देश

को राजा बनाकर सम्मान दिया था। उनका तन, मन, धन सब दुर्योधन का ऋणी है।

5. ## अनुच्छेद लिखिए

पहली रेलयात्रा

जब हम रेल मे यात्रा करते हैं वह सबसे सुखमय होता है। मेरा प्रथम रेल यात्रा मेरे लिए यादगार है। मैं इसे कभी नहीं भूल सकता। जब मैं 5 साल का था मैं अपने पापा मम्मी के साथ सबलपुर गया था। जब मैं स्टेशन पहुँचा वहाँ बहुत सारे लोग थे। पापा ने कुली को बुलाकर ट्रेन मे समान रखने के लिए कहा था। जब ट्रेन प्लेटफार्म पर आई उसकी आवाज सुनकर मैं बहुत खुश हो गया। कुली ने हमारा सामान ट्रेन के अंदर रख दिया। फिर हम सब ट्रेन के अंदर चले गए और मैं खिडकी के पास बैठ गया जब धीरे-धीरे ट्रेन चलने लगी हमारा शहर आँखों से ओझल हो गया। खिडकी के पास बैठकर मैंने कितने सारे गाँव पहाड पेड-पौधे, हरे

भरे लहराते खेत, नदी देखे। बीच बीच में ट्रेन रुक-रुक कर आगे बढ़ती गई। ट्रेन की आवाज मुझे भा जाता था। ट्रेन चटपटा खाना भी आता था। यह रेलयात्रा की सारी मिठी यादें मेरे दिल के बेहद करीब है। मेरे लिए यह सफर रोमांच से भरा हुआ था। जब सफर खतम हो गया मेरा मन उदास हो गया। लेकिन मम्मी ने समझाया हर सफर का अंत तो होता है। और किस दिन हमें फिर से रेलयात्रा करने का मौका जरूर मिलेगा।